कोर्स की मुख्य विशेषताएं (Key Features)

- **डेली आंसर राइटिंग प्रैक्टिस (3 Questions/Day):** हर दिन 3 प्रश्नों का अभ्यास, जो स्टूडेंट्स के भीतर से उत्तर लेखन का डर खत्म करेगा और स्पीड सुधारेगा।
- **टारगेटेड डेली शेड्यूल:** रैंडम पढ़ाई के बजाय हर दिन एक स्पेसिफिक टॉपिक दिया जाएगा, जिससे पूरे 120 दिनों में सिलेबस का कोना-कोना कवर हो सके।
- **इंटरव्यू-एक्सपीरियंस्ड टीम द्वारा कॉपियों का मूल्यांकन:** कॉपियों की जांच उन लोगों द्वारा की जाएगी जिन्होंने खुद यूपीएससी का इंटरव्यू दिया है। इससे स्टूडेंट्स को बिल्कुल सटीक और 'एग्जामिनर के नजरिए' वाला फीडबैक मिलेगा।
- व्याख्या (Explanation) खंड पर विशेष फोकस
- डेली टेस्ट डिस्कशन: हर टेस्ट के बाद डिस्कशन होगा, जिससे स्टूडेंट्स को समझ आएगा कि उत्तर की सही अप्रोच, भूमिका (Introduction) और निष्कर्ष (Conclusion) क्या होना चाहिए था।
- **आसान डिजिटल एक्सेस:** सभी टेस्ट डिस्कशंस niyatiias.in वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध रहेंगे, जिन्हें छात्र अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी देख सकते हैं।
- **3-लेयर डाउट सपोर्ट:** किसी भी संशय को दूर करने के लिए स्टूडेंट्स के पास तीन रास्ते होंगे:
  - niyatiias.in वेबसाइट पर डाउट सबमिशन
  - ईमेल सपोर्ट: niyatiias7@gmail.com
  - डायरेक्ट कॉल सपोर्ट
- **क्रिस्प प्रिंटेड नोट्स:** हर टॉपिक के साथ उच्च गुणवत्ता वाले प्रिंटेड नोट्स दिए जाएंगे (सॉफ्ट कॉपी में), ताकि स्टूडेंट्स को अलग-अलग किताबों के चक्कर न काटने पड़ें।

कोर्स वैधता (Course Validity)

- यह हिंदी साहित्य मेंटोरशिप प्रोग्राम पूरी तरह से 'छात्र-केंद्रित (Student-Centric)' है। इसमें जुड़ने के लिए कोई एक निश्चित तारीख तय नहीं है।
- आप जब चाहें, तब से शुरुआत करें: 'आपकी 4 महीने की मेंटोरशिप अवधि उसी दिन से शुरू होगी, जिस दिन आप इस प्रोग्राम को जॉइन करेंगे'।
- **उदाहरण:** यदि आप 4 अप्रैल को एडमिशन लेते हैं, तो अगले 4महीनों तक (यानी आपकी वैलिडिटी समाप्त होने तक) आपके सभी टेस्ट पेपर्स और आंसर्स नियमित रूप से चेक किए जाएंगे और आपको पर्सनल गाइडेंस मिलती रहेगी।
- **नोट:** आपका व्यक्तिगत 4 महीने का चक्र आपके जुड़ने की तिथि (Date of Joining) से ही गिना जाएगा।

For any further information visit niyatiias.in

☎ 9015448903

हिंदी साहित्य 120 दिनों तक प्रतिदिन उत्तर लेखन प्रोग्राम		
दिन (Days	**टॉपिक (Topics)**	**अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)**
1, 2, 3, 4	**हिंदी कहानी**	**दिन 1** 1. कृष्णा सोबती की कहानियों के आधार पर उनकी कथा-भाषा पर संक्षिप्त लेख लिखिए। (2013) 2. अकहानी आंदोलन के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। (2013) 3. 'साठोत्तरी हिंदी कहानी' पर टिप्पणी करें।। (2014) **दिन 2** 1. नई कहानी आंदोलन की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (2016) 2. कृष्णा सोबती की कहानियों में कथ्य का वैविध्य पर टिप्पणी करें। कीजिए। (2017) 3. प्रेमचन्द की कहानियों का मूल स्तर। (2018) **दिन 3** 1. जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ शिल्प का ताजमहल हैं। (2019) 2. कृष्णा सोबती के कहानी-लेखन में स्त्री विमर्श। (2020) 3. हिन्दी नई कहानी की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। (2025 - 15 अंक) **दिन 4** 1. प्रेमचन्द की कहानियों में चित्रित आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की व्याख्या कीजिए। (2021) 2. अज्ञेय की कहानियों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। (2023) 3. निर्मल वर्मा की कहानियों में व्यक्त स्मृति-पक्ष की विवेचना कीजिए। (2024)
5, 6	**प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ**	**दिन 5** 1. प्रेमचन्द की कहानी-कला की समीक्षा कीजिए। (2003) 2. प्रेमचन्द की कहानियो की मूल चिंताएँ व्यक्त कीजिए। (2004) 3. पठित उपन्यास और कहानियों के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिये कि पात्रों के चित्रण में प्रेमचन्द ने मनोविज्ञान का पर्याप्त ध्यान रखा है। (2006) **दिन 6** 1. प्रेमचन्द ने हिंदी कथा-साहित्य की कर्मभूमि ही नहीं बदली बल्कि कायाकल्प भी किया, विचार कीजिए। (2009) 2. प्रेमचंद की कहानी आधुनिक विमर्शों के स्वरूप की पड़ताल करती है। स्पष्ट कीजिए। (2013) 3. ईदगाह/पूस की रात की समीक्षा कीजिए। (2015)

For any further information visit niyatiias.in

☎ **9015448903**

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
7, 8, 9	एक दुनिया : समानांतर	**दिन 7** 1. "नन्हों" कहानी की भाषा ग्रामीण मुहावरों और शब्दों से युक्त जीवंत भाषा है।' कथन के आलोक में कहानी के भाषा-सौंदर्य को उद्घाटित कीजिए। 2. "दूध और दवा" कहानी की मूल संवेदना आदर्श और यथार्थ के द्वंद्व एवं संघर्ष से निर्मित है। इस कथन के संदर्भ में कहानी की समीक्षा कीजिए। 3. "चीफ की दावत' में नौकरशाही में व्याप्त स्वार्थ-लिप्सा के मनोविज्ञान का उद्घाटन कीजिए।। (2006) **दिन 8** 1. 'जिंदगी और जोंक' में रजुआ की जिजीविषा पर प्रकाश डालिए। 2. 'भोलाराम का जीव' के माध्यम से हरिशंकर परसाई की व्यंग्य चेतना पर प्रकाश डालिए। (2025) 3. "चीफ़ की दावत' मध्यवर्गीय अवसरवादिता और मानवीय मूल्यों के विघटन का जीवंत दस्तावेज है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। **दिन 9** 1. 'नयी कहानी' की अवधारणा के संदर्भ में निर्मल वर्मा की कहानी 'परिंदे' की समीक्षा कीजिए। 2. 'परिन्दे' कहानी के आधार पर निर्मल वर्मा की कहानी-कला की समीक्षा कीजिए। 3. "राजेन्द्र यादव एक प्रयोगधर्मी कहानीकार हैं" इस कथन की 'टूटना' कहानी के आधार पर तर्कसंगत दृष्टि से विचार कीजिए। (2018)
10, 11	उपन्यास, हिन्दी उपन्यास का विकास	**दिन 10** 1. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार। 2. प्रेमचंद के उपन्यास लेखन में उनकी यथार्थ-दृष्टि का विकास किस रूप में हुआ है? स्पष्ट कीजिए। (2023) 3. 20वीं शताब्दी पूर्वार्द्ध के हिन्दी उपन्यासों के कथ्य के आधार पर स्वतंत्रता के दर्शन की व्याख्या कीजिए। **दिन 11** 1. जैनेन्द्र कुमार का गद्य-लेखन व्यक्ति की गुम होती पहचान को उभारकर सामने रखता है विवेचना कीजिए। (2018) 2. "प्रेमचंद के उपन्यास भारतीय कृषक जीवन के सच्चे दस्तावेज़ हैं।" इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए। (2019) 3. भीष्म साहनी के उपन्यासों में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
12, 13	उपन्यास, हिन्दी उपन्यास का विकास	**दिन 12** 1. आंचलिक हिन्दी उपन्यास की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 2. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद। (2025), (10 अंक / 150 शब्द) 3. कृष्णा सोबती के उपन्यासों की स्त्री-दृष्टि पर वर्तमान स्त्री-विमर्श के संदर्भ में विचार कीजिए। (2025) (20 अंक) **दिन 13** 1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी-उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2. हिन्दी उपन्यासों के विकास क्रम में महिला उपन्यास लेखिकाओं की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए। 3. यशपाल की विचारधारा पर एक संक्षिप्त लेख लिखिये। (2017)
14, 15	महाभोज	**दिन 14** 1. 'महाभोज' उपन्यास को क्या एक सशक्त राजनीतिक उपन्यास का दर्जा दिया जा सकता है? उपन्यास में चित्रित पात्रों के आधार पर समीक्षा कीजिए। (2016) 2. 'महाभोज' स्वातंत्र्योत्तर भारतीय राजनीति की विकृति के पर्दाफास का ज्वलंत दस्तावेज है। तर्क एवं उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए। (2017) 3. 'महाभोज' में समसामयिक अव्यवस्था का मात्र निदान है अथवा विधेयात्मक समाधान भी? तर्कपूर्वक समझाइये। (2018) **दिन 15** 1. "महाभोज" उपन्यास राजनीति और अपराध के आपसी गठजोड़ पर करारा प्रहार करता है।" स्पष्ट कीजिए। (2025 / 15 अंक) 2. 'महाभोज' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए। (2021) 3. " 'महाभोज' उपन्यास राजनीतिक विकृतियों का सच्चा दस्तावेज है।" इस कथन से आप कितने सहमत है, तर्कसंगत मीमांसा कीजिए। (2022)
16, 17	दिव्या	**दिन 16** 1. दिव्या में इतिहास और कल्पना का समन्वय है। स्पष्ट कीजिये 2. यशपाल की नारी-दृष्टि पर विचार करें। (2014/2017 थीम) 3. दिव्या उपन्यास के सामाजिक परिप्रेक्ष्य के बारे में बताइए। **दिन 17** 1. दिव्या ऐतिहासिक नहीं ऐतिहासिक परिवेश की कथा है। विवेचना कीजिए। 2. दिव्या में यशपाल का वैचारिक हस्तक्षेप उपन्यास के रचना कौशल का अतिक्रमण करता है। इस मत का विश्लेषण कीजिए। 3. यशपाल की विचारधारा का मूल्यांकन कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
18,19,20	गोदान	**दिन 18** 1. गोदान में गाँव और शहर की कथा है स्पष्ट कीजिए। (2001) 2. औपन्यासिक कला की दृष्टि से गोदान उपन्यास की समीक्षा कीजिए। (2005) 3. "क्या आपको 'गोदान' पढ़ते हुए यह लगता है कि होरी का जीवन दुःख का एक लंबा नाटक है, जिसमें सुख के भी कुछ दृश्य हैं? प्रमाण सहित उत्तर दीजिये। (2008) **दिन 19** 1. गोदान की बनावट का विवेचना कीजिए। (2009) 2. गोदान कृषक-जीवन का महाकाव्य है। अपितु समूचे युग की व्यथा कथा है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (2011) 3. हिंदी उपन्यास की आधुनिकता की चर्चा गोदान से शुरू होती है। देसी आधुनिकता के कौन कौन से तत्व गोदान को आधुनिक सिद्ध करते है स्पष्ट कीजिए। (2012) **दिन 20** 1. यदि प्रेमचंद गोदान को उपन्यास के बदले नाटक के रूप में लिखते तो आपकी दृष्टि में क्या छोड़ते और क्या जोड़ते? (2014) 2. गोदान में किसान जीवन का सांस्कृतिक मूल्यांकन कीजिए। (2016) 3. 'गोदान' उपन्यास के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। (2025 / 15 अंक)
21, 22, 23	मैला आँचल	**दिन 21** 1. आंचलिक उपन्यास की अवधारणा स्पष्ट कीजिये। इसकी शक्ति और सीमा पर टिप्पणी करें। (2009) 2. रेणु की उपन्यासों के आधार उनकी विचारधारा पर प्रकाश डालिए। (2014) 3. मैला आँचल का महत्व पर प्रकाश डालिए। (2017) **दिन 22** 1. मैला आँचल में ग्रामीण जीवन की नव्य कलात्मक परिणिति है इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2011) 2. रेणु की आंचलिकता पर प्रकाश डालिए। 3. मैला आँचल की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। **दिन 23** 1. मैला आँचल के प्रमुख पात्र के बारे में बताइए। 2. रेणु का कथा-साहित्य में योगदान बताइए। 3. मैला आँचल की समकालीन प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
24, 25, 26, 27	हिंदी नाटक का विकास	**दिन 24** 1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (2004) 2. हिन्दी रंगमंच का विकास टिप्पणी करें।। (2007) 3. भारतेन्दु के नाट्य योगदान का मूल्यांकन कीजिए। **दिन 25** 1. जयशंकर प्रसाद के नाटकों की विशेषताएँ बताओ। 2. मोहन राकेश और आधुनिक हिन्दी नाटक (टिप्पणी करें।)। 3. हिन्दी नाटक की आधुनिक प्रवृत्तियाँ समझाये। **दिन 26** 1. हिन्दी रंगमंच की समस्याएँ और संभावनाएँ का विवेचना कीजिए। 2. प्रसादोत्तर नाटक का विकास बताओ। 3. यथार्थवादी हिन्दी नाटक की विशेषताएँ बताये। **दिन 27** 1. हिन्दी नाटक और भारतीय रंगमंच की विकास यात्रा का मूल्यांकन कीजिए। 2. आधुनिक हिन्दी नाटक का मूल्यांकन कीजिए। 3. हिन्दी नाट्य-साहित्य की उपलब्धियों के बारे में बताइए।
28, 29	भारत दुर्दशा	**दिन 28** 1. भारत दुर्दशा की राष्ट्रीय चेतना की विवेचना कीजिए। 2. भारत दुर्दशा में सामाजिक आलोचना के बारे में स्पष्ट कीजिए। 3. भारतेन्दु की नाट्य-दृष्टि के बारे में बताइए। **दिन 29** 1. "भारत दुर्दशा" अतीत गौरव की चमकदार स्मृति है; आँसू भरा वर्तमान है और भविष्य निर्माण की प्रेरणा है।"— इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2025 / 20 अंक) 2. भारत दुर्दशा की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 3. भारतेन्दु युगीन राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
30, 31	स्कंदगुप्त	**दिन 30** 1. स्कंदगुप्त में अभिव्यक्ति राष्ट्रीय भावना पर तत्कालीन स्वाधीनता आंदोलन के प्रभावों का आकलन कीजिए। (2010) 2. स्कंदगुप्त के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए 3. "प्रसाद के नाटक भारत के इतिहास का पुनर्निर्माण करते हैं।" 'स्कन्दगुप्त' नाटक के आधार पर इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (2025 / 15 अंक) **दिन 31** 1. स्कंदगुप्त का ऐतिहासिक महत्व की विवेचना कीजिए तथा उनकी नाट्यकला की विशिष्टताओं का विश्लेषण कीजिए। (2004) 2. स्कंदगुप्त की नारी-पात्र योजना के बारे में बताइए। 3. स्कंदगुप्त का नाट्य-सौंदर्य का विश्लेषण करें।
32, 33	आषाढ़ का एक दिन	**दिन 32** 1. आषाढ़ का एक दिन : शीर्षक की सार्थकता पर विचार करते हुए उसकी आधुनिक प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए। (2001) 2. कालिदास का चरित्र-विश्लेषण कीजिए। 3. आषाढ़ का एक दिन नाटक में प्रेम और सृजन का द्वंद्व है, इसके आधार रंगमंचीय संभावनाओं के बारे में बताइए। **दिन 33** 1. आषाढ़ का एक दिन की नाट्य-भाषा पर टिप्पणी करें। 2. आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर लेखक के नारी संबंधी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। (2025 / 15 अंक) 3. मोहन राकेश की नाट्य-दृष्टि को समझाते हुए उनकी कथ्य और शिल्प पर प्रकाश डालिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
34, 35,36	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, साहित्य की प्रासंगिकता के प्रतिमान व हिंदी साहित्य	**दिन 34** 1. भक्तमाल (टिप्पणी करें।)। (2011) 2. 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन में दलित विमर्श के हस्तक्षेप की समीक्षा कीजिए। (2025 / 15 अंक) 3. हिन्दी में साहित्येतिहास लेखन की परंपरा और महत्त्व (टिप्पणी करें।) (2019) **दिन 35** 1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन कितना प्रासंगिक है? सप्रमाण उत्तर लिखिए। (2019) 2. हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य के इतिहास-लेखन की दृष्टि (टिप्पणी करें।) (2020) 3. रामचन्द्र शुक्ल के साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख विशेषताएँ (टिप्पणी करें।) (2021) **दिन 36** 1. रामचन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन (टिप्पणी करें।) (2022) 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल-पूर्व हिन्दी साहित्य इतिहास का लेखन (टिप्पणी करें।) (2023) 3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्येतिहास-दृष्टि के प्रमुख बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए। (2024)
37, 38, 39, 40	आदिकाल	**दिन 37** 1. विद्यापति की आध्यात्मिकता पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की टिप्पणी की समीक्षा कीजिए। (2025 / 15 अंक) 2. सिद्ध-नाथ साहित्य का भाषिक तथा साहित्यिक अवदान। (टिप्पणी) (2018 / 10 अंक) 3. नाथ साहित्य का योगदान बताइए। **दिन 38** 1. रासो साहित्य का मूल्यांकन कीजिए। 2. चंदबरदाई का साहित्यिक महत्व बताइए। 3. विद्यापति की गंगा-भक्ति | (2024 / 10 अंक) **दिन 39** 1. विद्यापति की काव्यगत विशेषताएँ के बारे में बताइए। 2. खुसरो के साहित्य में प्रयुक्त हिन्दी की विशेषताएँ लिखिए। (2025 / 15 अंक) 3. आदिकाल की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ। **दिन 40** 1. सिद्ध साहित्य का परवर्ती हिन्दी साहित्य पर प्रभाव। (2025 / 10 अंक) 2. हेमचंद्र की कविता। (2025 / 10 अंक) 3. आदिकाल की समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
41, 42, 43, 44, 45, 46	भक्तिकाल का उद्भव, संत काव्याधारा व कबीरदास	**दिन 41** 1. कबीर की लोकोन्मुखता। (2025 / 10 अंक) 2. कबीर ग्रन्थावली' के आधार पर कबीर के आध्यात्मिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। (2025 / 20 अंक) 3. 'भक्ति' कविता में अभिव्यक्त भारतबोध को स्पष्ट करते हुए भाषाई और सांस्कृतिक समन्वय के चिन्हों को रेखांकित कीजिए। (2024 / 20 अंक) **दिन 42** 1. हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिये। 2. हिंदी सगुण और निर्गुण भक्ति के साम्य और वैषम्य पर प्रकाश डालते हुए उसके स्रोतों पर विचार कीजिए। (2003) 3. कबीर के सामाजिक चिंतन की आधुनिकता (टिप्पणी करें।) (2005) **दिन 43** 1. कबीर का दर्शन	(टिप्पणी) (2004) 2. कबीर की कविता 'अस्वीकार' के साथ-साथ स्वीकार की भी कविता है। इस कथन के संदर्भ में कबीर काव्य का विश्लेषण कीजिए। (2017 / 20 अंक) 3. अष्टछाप (टिप्पणी करें।)। **दिन 44** 1. समकालीन चिंतकों की दृष्टि में कबीर का साहित्य। (टिप्पणी) (2020 / 10 अंक) 2. कबीर की भक्ति। (टिप्पणी) (2005) 3. भक्तिकाल के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता। टिप्पणी करें। (2006) **दिन 45** 1. अष्टछाप के कवियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए, उदाहरण सहित सिद्ध कीजिये कि कृष्णभक्ति काव्य की समस्त विशेषताएँ उनमें निहित हैं। (2013) 2. भक्ति आंदोलन के उदय की चर्चा करते हुए सगुण भक्त कवियों के योगदान का मूल्यांकन कीजिये। (2014) 3. 'भक्तिकाव्य स्वर्णकाल है।' स्पष्ट कीजिए। (2015)
		दिन 46 1. नीरस निर्गुण में कबीर ने 'ढाई आखर' जोड़ने की पहल किससे प्रेरित होकर की और क्यों? अपने कथन की पुष्टि कीजिए। (2018 / 20 अंक) 2. तुलसी एवं कबीर के राम में क्या तात्त्विक विभेद है। तर्कसंगत उत्तर दीजिये। (2016) 3. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं'— इस अभिमत के परिप्रेक्ष्य में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए। (2024 / 15 अंक)

For any further information visit niyatiias.in
☏ 9015448903

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
47	सूफी काव्यधारा व जायसी (पद्मावत)	**दिन 47** 1. हिन्दी सूफ़ी कवियों की लोकोन्मुखता | (टिप्पणी) (2023 / 10 अंक) 2. हिन्दी सूफ़ी काव्य का सांस्कृतिक महत्व | (टिप्पणी) (2016 / 10 अंक) 3. जायसी का रहस्यवाद | (टिप्पणी) (2001)
48	सूफी काव्यधारा व जायसी (पद्मावत)	**दिन 48** 1. "जायसी ने इतिहास और कल्पना के सुंदर समन्वय से यह अत्यंत उत्कर्ष का महाकाव्य दिया है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। (2021 / 15 अंक) 2. "जायसी ने नागमती के वियोग-वर्णन द्वारा नारी की व्यथा-कथा को प्रस्तुत किया है।" इस कथन से आप कितने सहमत हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (2022 / 15 अंक) 3. जायसी के 'पद्मावत' के सिंहलद्वीप खण्ड की भावभूमि स्पष्ट कीजिए। (2023 / 15 अंक)
49, 50	कृष्णभक्ति काव्याधारा व सूरदास (भ्रमरगीतसार)	**दिन 49** 1. कृष्णभक्त मुस्लिम कवयित्रियों की भक्ति-चेतना | (2024 / 10 अंक) 2. कृष्णभक्ति काव्यधारा के विकास में विविध संप्रदायों का योगदान | (टिप्पणी) (2018 / 10 अंक) 3. सूरदास की कविता के आधार पर उनकी लोकचेतना पर प्रकाश डालिए। (2015 / 15 अंक)। **दिन 50** 1. 'भ्रमर-गीत-सार' के दार्शनिक पक्ष की विवेचना करते हुए उसके काव्यगत महत्त्व की समीक्षा कीजिए। 2. "सूर का काव्य अप्रस्तुत विधान की खान है" इसको सप्रमाण सिद्ध कीजिए। 3. सूरदास की भक्तिभावना और काव्य कौशल का परिपाक भ्रमरगीत में किस तरह हुआ है? विश्लेषण कीजिए। (2012)

दिन (Days)	टॉपिक (Topics)	अभ्यास प्रश्न (Exercise Questions)
51, 52	**कृष्णभक्ति काव्याधारा व सूरदास (भ्रमरगीतसार)**	**दिन 51** 1. बताइए कि किस प्रकार सूर की काव्यकला पौराणिकता में नवीनता का संचार करके प्रसंगों को विशिष्ट और लोकग्राह्य बना देती है। 2. सोदाहरण स्पष्ट कीजिये कि सूर ने योगमार्ग को संकीर्ण, कठिन और नीरस तथा भक्तिमार्ग को विशाल, सरल और सरस क्यों कहा है? 3. सूर के काव्य में जितनी सहृदयता है उतनी वाग्विदग्धता भी। स्पष्ट कीजिए। **दिन 52** 1. भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने किस प्रकार अपनी गहन भक्ति-भावना और अप्रतिम काव्य-कला का परिचय दिया है? विवेचना कीजिए 2. "काव्य जीवन को अर्थवत्ता प्रदान करता है और काव्य की अर्थवत्ता विम्ब से निर्मित होती हैं।" इस कथन के आलोक में सूरदास के काव्य का मूल्याकंन कीजिए। 3. हिन्दी भ्रमरगीत-परंपरा में सूरदास कृत भ्रमरगीत का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए।
53, 54, 55, 56	**रामभक्ति काव्यधारा व तुलसीदास (रामचरितमानस व कवितावली)**	**दिन 53** 1. तुलसी का काव्य लोकमंगल की साधना है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। (2023 / 10 अंक) 2. तुलसीदास और केशवदास की रामभक्ति से जुड़ी कविताओं में पृथकता के कारण। (टिप्पणी) (2016 / 10 अंक) 3. तुलसी के काव्य पर विभिन्न भारतीय दर्शनों के प्रभाव का विवेचन कीजिए। (2011) **दिन 54** 1. सुन्दरकाण्ड के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के काव्य का सोदाहरण विवेचना कीजिए। (2001) 2. रामचरितमानस' के सुन्दरकाण्ड तथा 'कवितावली' के उत्तरकांड के आधार पर तुलसीदास की भक्तिभावना के स्वरूप को विशद रूप से निरूपित कीजिए। (2006) 3. क्या कवितावली के उत्तरकाण्ड में तत्कालीन समाज के यथार्थ का भरा-पूरा चित्र मिलता है? सोदाहरण उत्तर दीजिये। (2008)
		दिन 55 1. तुलसीदास के प्रबंध कौशल के वैशिष्ट्य का मूल्यांकन कीजिए। (2010) 2. जायसी कृत 'पद्मावत' और तुलसीकृत 'रामचरितमानस' की काव्य-भाषा का तुलनात्मक आकलन कीजिए। (2011) 3. तुलसी और जायसी की काव्य-भाषा और संवेदनात्मक गहनता का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

		दिन 56 1. क्या समकालीन आलोचना तुलसीदास के काव्य की प्रगतिशीलता को अनदेखा कर रही है? उदाहरणों से पुष्ट, युक्तियुक्त उत्तर दीजिये। 2. 'सुन्दर' शब्द पर विचार करते हुए 'सुंदरकांड' के वस्तु-शिल्प-सौन्दर्य की विवेचना कीजिए। (2018) 3. गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तराखंड के आधार पर उनकी भक्ति भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (2024 / 20 अंक)
57, 58, 59, 60	**रीतिकाल एवं कवि बिहारीलाल**	**दिन 57** 1. रीतिकालीन कवियों की श्रृंगार चेतना के गार्हस्थ-बोध का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (2024 / 15 अंक) 2. घनानंद की 'भाषा-प्रवीणता' को स्पष्ट कीजिए। (2023 / 15 अंक) 3. रीतिबद्ध काव्यधारा में केशवदास के कवि-मर्म का मूल्यांकन कीजिए। (2021 / 20 अंक) **दिन 58** 1. "सतसैया के दोहरे, ज्यों नाविक के तीर। देखन में छोटन लगे, घाव करे गंभीर।" — इस दोहे के आलोक में बिहारी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (2001) 2. बिहारी के विरह वर्णन की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए। (2024 / 15 अंक) 3. "बिहारी की कविता श्रृंगारी है पर प्रेम की उच्च भूमि पर नहीं पहुँच पाती।" इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। (2023 / 20 अंक) **दिन 59** 1. "जो कोई रस-रीति को समुझै चाहै सार। पढ़ै बिहारी-सतसई कविता को सिंगार।" — इस उक्ति के आधार पर बिहारी की 'रस-रीति' की विवेचना कीजिए। (2011) 2. बिहारी की कविता के साक्ष्य से ये बताइए कि कवि की धर्म और दर्शन के क्षेत्रों में पैठ थी। (2014 / 15 अंक) 3. बिहारी के दोहों में नीति, भक्ति, श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है। स्पष्ट कीजिए। (2015 / 15 अंक) **दिन 60** 1. बिहारी के सूक्ष्म सौंदर्य दृष्टि का निरूपण कीजिए। (2019 / 15 अंक) 2. रीतिकाल में कविवर बिहारी की अपनी अलग पहचान है। तर्क युक्त उत्तर दीजिए। (2009) 3. बिहारी के काव्य में कल्पना की समाहार शक्ति के साथ भाषा की समाज-शक्ति का कितना सामंजस्य मिलता है। प्रमाण सहित उत्तर दीजिए। (2008)